Spandan

Class - 7

7 हिंदी (स्पंदन)

1. आ रही रवि की सवारी

मौखिक

1. (क) नव-किरण से रथ सजा है।
   (ख) बादलों को अनुचरों की उपमा दी गई है।
   (ग) रात का राजा चाँद को कहा गया है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) रवि (सूर्य) की (ख) सूर्य की लालिमा
   (ग) प्रात:काल
2. (क) विहग, बंदी और चारण कीर्ति गायन गा रहे हैं।
   (ख) कविता में रथ, अनुचर, फ़ौज और भिखारी की भूमिका क्रमश: नव-किरण, बदल, तारक (तारा) और चाँद/अंधकार ने निभाई है।
3. (क) कविता में 'रवि की सवारी' का अद्‌भुत स्वागत हुआ है। नव-किरण का रथ सजा है। प्रात:कालीन लालिमा रूपी कलि-कुसुम से पथ सजा है। अनुचर (सेवक) बादलों ने अगवानी में स्वर्ण की पोशाक धारण की है। विहग (पक्षी), बंदी और चारण रवि की सवारी का कीर्ति गायन गा रहे हैं।
   (ख) रात के राजा चाँद/अँधेरे का साम्राज्य रवि के उदित होते ही अपना प्रभाव खोकर विलीन हो गया। इसीलिए प्रात:काल होते ही निस्तेज होने के कारण रात के राजा को भिखारी की संज्ञा कवि ने दी है।
   (ग) कवि दुख और सुख को निरपेक्ष भाव से लेता है। वह सूर्य की विजय से प्रसन्न होकर प्रसन्नता प्रकट नहीं करता, क्योंकि उसे रात के राजा का अंजाम पता है।
4. प्रस्तुत पंक्तियाँ 'आ रही रवि की सवारी' नामक कविता से ली गई हैं। जिसके कवि हरिवंशराय बच्चन हैं। यहाँ पर कवि ने सूर्य की प्रशंसा का वर्णन किया है। प्रात:काल जब रवि आसमान में उदित होते हैं तो रात्रिकालीन अंधकार से सभी को मुक्ति मिल जाती है। ऐसा प्रतीत होता है मानो कोई राजा अपने रथ पर सवार होकर विजयी बनकर आया हो। अपने राजा को देखकर उसके पक्षी रूपी भाट और बंदी उसकी प्रशंसा में राजा का यशोगान कर रहे हैं।
5. (क) (v) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) स्वर्ण – सोना
   (ख) सूर्य – सूरज
   (ग) भिक्षुक – भिखारी
   (घ) नव – नया
   (ङ) अनुचर – सेवक
   (च) अनुज – छोटा भाई
2. मूलशब्द– कीर्ति, राह, नव, रवि, रथ
   व्युत्पन्न शब्द– विजय, अभिप्राय, अनुचर, प्रदर्शन, कुसुम
3. (क) सवारी – फ़रारी, हमारी
   (ख) बंदी – मंदी, गंदी
4. (क) जीवन का अंतिम ध्येय स्वयं जीवन है।
   (ख) जीवन का उद्‌देश्य कीर्ति या धन प्राप्त करना नहीं है। सुख भी नहीं, धर्म भी नहीं, न तो दर्शन है।
   (ग) जीवन का उद्‌देश्य / जीवन
   (घ) सुख – दुख धर्म – अधर्म

क्रिया-कलाप/गतिविधि

❖ छात्र स्वयं करें।

2. देशप्रेम के दाम!

मौखिक

1. (क) पुत्र अपने यूनियन की चालीस में से कम-से-कम एक माँग मानने के लिए मंत्री से सिफ़ारिश करने के लिए कह रहा था।
   (ख) आज़ादी के लिए सात सेल जेल में रहने के एवज़ में केंद्रीय सरकार ने उनके लिए 500 रुपए प्रति महीने का भत्ता मंजूर किया। इससे पता चला कि वे स्वतंत्रता सेनानी हैं और देश के गौरव हैं।
   (ग) सन 1942 के स्वतंत्रता आंदोलन में देश के नेता गिरफ़्तार कर लिए गए थे।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) उड़ीसा (ओडिशा) (ख) नारायण दास की पत्नी
   (ग) वकील

2. (क) नारायण दास परिवार से अलग रहकर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध जनचेतना जगाने का काम करते रहे।
(ख) नारायण बाबू घंटे भर में उस जगह को छोड़ अन्यत्र चले जाने का निर्देश भुला बैठे।
(ग) अंग्रेज़ सरकार ने नारायण बाबू पर हज़ार रुपए का इनाम रखा था।

3. (क) सनातन और मधुमिता नारायण दास से अपेक्षा रखते थे कि एक प्रखर स्वाधीनता सेनानी होने के नाते वे बेटे और बहू की मंत्री जी से सिफ़ारिश करें। परिवार को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाएँ।
(ख) जब नारायण दास ने बेटे के लेबर यूनियन की माँग माने जाने की सिफ़ारिश श्रम मंत्री से नहीं की और बहू के कोरापुट ट्राँसफ़र होने पर शिक्षा मंत्री से कहकर नहीं रुकवाया, तो सनातन और मधुमिता के व्यवहार में अचानक परिवर्तन आ गया।
(ग) आज़ादी के बाद लोग इस मान्यता के पक्षधर हो गए कि किसी भी तरह पैसे कमाकर अपना घर चलाओ। अपनी उन्नति में ही देश की उन्नति है। त्याग की बातें औरों को उपदेश देने के लिए ही रह गईं। आज़ादी के बाद देश के लोगों के लिए पैसा भोग ही सब कुछ हो गया। कमाऊ न होने पर परिवार में भी कोई नहीं पूछता, जैसा स्वतंत्रता सेनानी नारायण दास के साथ हुआ।

4.

	किसने	किससे
(क)	सौदामिनी ने	नारायण दास से
(ख)	नारायण दास ने	पुत्र सनातन से
(ग)	नारायण दास ने	मधुमिता से
(घ)	मधुमिता ने	सनातन से

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. डॉक्टर, सीटी, यूनियन, लीडर, ट्राँसफ़र

2. (क) की (ख) कि (ग) की
(घ) कि (ङ) की

3. कर्म– पैसे न होने पर सच्चे आदमी को यहाँ कोई नहीं पूछता।
संप्रदान– पत्नी के चल बसने के बाद उन्होंने बड़ी मुश्किल से सनातन को वकालत की पढ़ाई करवाई।

4. (क) समय तरकश से निकले तीर के समान है, जिसे लौटाया नहीं जा सकता।
(ख) समय के सदुपयोग का अर्थ है कि समय पर अपने कार्य पूर्ण कर लेने चाहिए।
(ग) जो समय के अनुसार काम नहीं करता; वह नष्ट हो जाता है और जीवनभर पछताता है।
(घ) सदुपयोग– दुरुपयोग, अर्थ– अनर्थ

3. बेगम हज़रत महल

मौखिक

1. (क) प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय अवध के नवाब वाज़िद अली शाह थे।
(ख) नवाब वाज़िद अली शाह को अंग्रेज़ों ने कलकत्ता (कोलकाता) भेज दिया।
(ग) हज़रत महल ने बिरजिस कादर को अवध का वारिस बनाया।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) मुहम्मदी खानम (ख) 6 फरवरी, 1856 को
(ग) हेनरी लॉरेंस (घ) राजा जयलाल सिंह ने

2. (क) अवध में ब्रिदोह की चिंगारियों को दबाने के लिए अंग्रेज़ बेगम हज़रत महल के साथ समझौता करना चाहते थे।
(ख) अपने सेनापति की सलाह मानकर बेगम हज़रत महल ने पुत्र बिरज़िस कादर के साथ नेपाल में शरण ली।
(ग) हज़रत महल के सम्मान में भारत सरकार ने 10 मई, 1984 को डाक टिकट जारी किया।

3. (क) हज़रत महल की विद्रोही सेना ने लखनऊ को जीत लिया। बेगम ने कुशल सम्राज्ञी की भाँति घूम-घूमकर राज्य का दौरा किया, लोगों की समस्याएँ समझी और उन्हें दूर करने के उपाय किए। हज़रत महल की कार्यकुशलता एवं प्रबंधन ने अवध की जनता का दिल जीत लिया।
(ख) ब्रिटिश सरकार ने संधि प्रस्ताव में बेगम हज़रत महल को संदेश दिया कि अंग्रेज़ों के खिलाफ बगावत करने के उनके गुनाह को ब्रिटिश सरकार माफ़ कर देगी, उनके गुज़ारे के लिए उन्हें पेंशन के रूप में अच्छी-खासी रकम देगी और उनके बेटे की पढ़ाई-लिखाई का पूरा बंदोबस्त करेगी।
(ग) बेगम हज़रत महल ने अंग्रेज़ों के संधि पत्र को अस्वीकार करते हुए इस प्रकार जवाब दिया– अवध की आज़ादी और हिफ़ाज़त के लिए मैं मैदान-ए-जंग में लड़ते-लड़ते कुर्बान हो जाऊँगी,

पर अवध की आज़ादी का सौदा नहीं करूँगी।

4. (क) विवश (ख) विद्रोही (ग) जय-जयकार (घ) अस्वीकार।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) के लिए (ख) की
   (ग) ने (घ) को, की
   (ङ) में

2. (क) घमासान लड़ाई हुई और अंग्रेज़ी फ़ौज ने घुटने टेक दिए।
   (ख) चारों ओर बेगम की जय-जयकार होने लगी।
   (ग) अंग्रेज़ उनकी लोकप्रियता से जलने लगे।
   (घ) अंग्रेज़ों ने अवध पर कब्ज़ा कर लिया।
   (ङ) अंग्रेज़ों को ऐसे निर्भीक उत्तर की अपेक्षा नहीं थी।

3. (क) जान की बाज़ी लगाना
   – साहस, वीरता का अद्‌भुत प्रदर्शन
   (ख) लोहा लेना
   – लड़ना, सामना करना
   (ग) ईंट से ईंट बजा देना
   – ध्वस्त करना, नष्ट-भ्रष्ट कर देना
   (घ) घुटने टेक देना
   – आत्मसमर्पण करना, हार जाना
   (ङ) पैर उखड़ना
   – टिक न सकना, पराजित होना

4. 1. सुंदर लाल की वाणी में प्रभाव व मन में कल्याण की भावना थी।
   2. चिपको आंदोलन के प्रणेता सुंदर लाल बहुगुणा थे।
   3. मित्र– मित्रगण, सभा– सभाएँ

4. वीर बालक

मौखिक

1. (क) ग्रामीण बालक बलकरण कल्याणी का पुत्र था।
   (ख) बलकरन सुबह पत्थर पर अपना चाकू तेज़ कर रहा था।
   (ग) आक्रमणकारी तैमूर लंग के आने के कारण गाँव में भगदड़ मच गई थी।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) तुर्क आक्रमणकारी (ख) दूध लेने (ग) खीर (घ) तलघर में

2. (क) बलकरन की माँ अपने पुत्र बलकरन के जन्मदिन की तैयारी कर रही थी।
   (ख) गाँववाले जान बचाने के लिए जंगल और तलघर में छिपे थे।
   (ग) तैमूरलंग हिंदुस्तान की दौलत गाज़ी तैमूर के खज़ाने में भरने की बात कहता है।

3. (क) तुर्क सेना का प्रमुख उद्‌देश्य सोना-चाँदी लूटना था। इस वक्त आदमियों के कत्ल करने का तुर्कों का मकसद नहीं था।
   (ख) तैमूर ने बहादुर बच्चे बलकरण की मनचाही मुराद पूरी करते हुए उसके गाँव पर आक्रमण नहीं किया और गाँव से सैनिकों के साथ बाहर चला गया।
   (ग) बलकरन निर्भीक और बहादुर बालक था। वह तैमूरलंग से बिलकुल नहीं डरा और तैमूर की तलवार का अपने चाकू से मुकाबला करने का माद्‌दा रखता है। यही कारण है कि तैमूर बलकरण से कहता है कि तुम मुझसे अधिक बहादुर और बड़े हो।
   (घ) बलकरण वीर, निडर और निर्भीक बालक था। वह आक्रमणकारी तैमूर से बिलकुल नहीं डरता। वह तैमूर की तलवार का अपने चाकू से मुकाबला करना चाहता है। उसे अपने गाँव और गाँववालों से असीम प्यार है। इसीलिए तैमूर द्‌वारा एक मुराद पूरी किए जाने की बात कहने पर बलकरण उससे अपने गाँव से बाहर चले जाने के लिए कहता है।

4.

	किसने	किससे
(क)	माँ कल्याणी ने	पुत्र बलकरन से
(ख)	मुबारक ने	जफ़र से
(ग)	चौथा ग्रामीण ने	कल्याणी से
(घ)	मुबारक ने	जफ़र और अलीबेग से

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) तलवारें– तलवारें म्यान में ही अच्छी लगती हैं।
   (ख) झोंपड़ियाँ– बाढ़ के कारण झोंपड़ियाँ पानी में बह गईं।
   (ग) मिठाइयाँ– मिठाइयाँ स्वादिष्ट हैं।
   (घ) बच्चे– बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं।
   (ङ) खिड़कियाँ– खिड़कियाँ खुली हैं।

(च) आँखें– तुम्हारी आँखें लाल क्यों हैं?

2. (क) हाथ– कर, हस्त
   (ख) तलवार– खड्ग, असि
   (ग) दुश्मन– शत्रु, रिपु
   (घ) दोस्त– मित्र, सखा

3. (क) गीत– संगीत, गीतकार
   (ख) एक– एकल, एकत्र
   (ग) घर– बेघर, घराना
   (घ) कल– आजकल, कलयुग
   (ङ) मुँह– मुँह तोड़, मुँह माँगा

4. (क) मानव जीवन में कुछ महान कर पाने की अदम्य लालसा ही महत्वाकांक्षा है।
   (ख) आगे बढ़ने की आकांक्षा के साथ मनुष्य में अप्रत्यक्ष रूप से अन्य मानवों को पीछे छोड़ने की अदृश्य इच्छा भी जुड़ी रहती है।
   (ग) महानता को पाने के लिए निर्ममता या निष्ठुरता एक अनिवार्य दुर्गुण है। इसके अभाव में उस निष्ठा, संकल्प या दृढ़ता की कल्पना नहीं की जा सकती, जो मनुष्य को आगे बढ़कर अनछुई ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करती है।
   (घ) महत्वाकांक्षा और निष्ठुरता। निष्ठुरता एक अनिवार्य दुर्गुण।

5. सरिता

मौखिक

1. (क) क्योंकि सरिता का प्रवाह तेज़ है, तन में बल है, इसलिए सरिता के प्रवाह को कोई रोक नहीं पाता है।
   (ख) बहता हुआ जल कल-कल, छल-छल की ध्वनि पैदा करता है।
   (ग) कविता में गंगा, यमुना, सरयू नदियों का वर्णन हुआ है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) शीतल (ख) चंचल
   (ग) विमल दूध से

2. (क) सरिता जल-कुंडों में नर्तन करके अपना रूप बदल लेती है।
   (ख) सरिता की तेज़ धारा निर्मल है और लगातार बहती रहती है।
   (ग) सरिता प्यास से विकल पथिक की प्यास बुझाती है। तृण-मूलों का सिंचन करती है।

3. (क) नदी अपने उद्गम से लेकर अंतिम पड़ाव तक निरंतर प्रवाहमान रहती है। तृण-मूलों का मार्ग में सिंचन करती चलती है। लघु जल-धाराओं को सहर्ष आलिंगन कर अपने साथ लेती है। जल-कुंडों में नर्तन कर अपना रूप परिवर्तन करती है। प्यास से विकल पथिक की अपने मृदु जल से प्यास बुझाती है। माता के समान बिना किसी भेदभाव के सभी को अपने हृदय से लगाती है।
   (ख) जब सरिता के पथ पर राह रोककर खड़ा कठिन पत्थर मिलता है, तब सरिता दुख से आकुल होकर, सिर पटक-पटककर रो-रोकर शोर मचाने लगती है।
   (ग) जिस प्रकार जननी बिना किसी भेदभाव के अपनी सभी संतानों से समान प्यार करती है; उसी प्रकार सरिता बिना किसी भेदभाव के माता के समान समस्त जीवों का पालन-पोषण करते हुए अपना कर्तव्य पूरा करती है। यही कारण है कि सरिता की तुलना माता से की गई है।

4. (क) करके तृण-मूलों का सिंचन,
   लघु जल-धारों से आलिंगन,
   जल-कुंडों में करते नर्तन,
   करके अपना बहु परिवर्तन।

   (ख) मिलता है इसको जब पथ पर,
   पथ रोके खड़ा कठिन पत्थर,
   आकुल, आतुर दुख से कातर,
   सिर पटक-पटककर रो-रोकर।

5. निरंतर प्रवाहमान सरिता का जल स्वच्छ है। धारा तीव्र होने के कारण यह ऊँची-नीची भूमि, पेड़, पर्वत, पठार शृंखला को सहजता से पार कर निरंतर बहती रहती है। बार-बार गिरती-उठती हुई अपनी मंज़िल की ओर बढ़ती जाती है।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) जल – पानी, नीर, वारि
   (ख) सरिता – नदी, तटिनी, दरिया
   (ग) पथ – मार्ग, रास्ता, राह
   (घ) पत्थर – पाषाण, शिला, प्रस्तर
   (ङ) गंगा – देवनदी, भागीरथी, जाह्नवी

2. (क) ऊष्ण (ख) सरल (ग) विशाल
   (घ) दुख

3. (क) जल– जलपान, जलहीन, जलमग्न, गंगाजल

(ख) मन– अमन, चमन, मनका, मनन
(ग) धार– धुआँधार, जलधार, आधार, निराधार
(घ) बहु– बहुभोज, बहुत, बहुजन, बहुधा
(ङ) पथ– सुपथ, कुपथ, पथरीला, शपथ

4. (क) कर्मवीर लोग भाग्य के भरोसे नहीं बैठते।
(ख) निष्काम भाव से अपना काम करने वाले लोग हर काल में फलते और फूलते हैं।
(ग) कर्मवीर
(घ) चंचल– च् + अं + च् + अ + ल् + अ
चाँदनी– च् + आँ + द् + अ + न् + ई
(ङ) जिन्हें अपने पुरुषार्थ पर यकीन है और जो हँसकर काम पूरा करते हैं, उनके लिए कोई काम कठिन नहीं होता।

6. बोध

मौखिक

1. (क) पंडित चंद्रधर शिक्षक थे।
(ख) क्योंकि पड़ोसियों ने पंडित जी का यात्रा-खर्च देना स्वीकार कर लिया।
(ग) पंडित जी अपने शिष्यों को मन लगाकर पढ़ाते थे, इसलिए लड़के उनका आदर करते थे।

❖ प्रश्न 2, 3, 4 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) हेड कांस्टेबल (ख) अयोध्या में
(ग) मुंशी बैजनाथ

2. (क) पंडित जी के पड़ोसी उनके घर कभी आटा, सब्ज़ी भेज देते। पड़ोसियों के कारण ही पंडित जी को कभी-कभी दूध-दही के दर्शन हो जाते।
(ख) चोखे लाल बिल्लौर का रहने वाला था और एक अस्पताल में कंपाउंडर का काम करता था।
(ग) अध्यापक पंडित चंद्रधर ने अपने शिष्य कृपाशंकर को मन से पढ़ाया था। यही कारण है कि कृपाशंकर हाथ बाँधे अपने अध्यापक के सामने सेवक की तरह दौड़ता था।

3. (क) पंडित चंद्रधर एक स्कूल में अध्यापक थे। उनकी महीने भर की आमदनी मात्र पंद्रह रुपए थी। इसलिए अपनी कम आमदनी के कारण सदा पछताया करते कि कहाँ आ फँसे। यदि कहीं और नौकरी करते, तो अब तक हाथ में चार पैसे होते, आराम से जीवन व्यतीत होता।
(ख) पंडित जी अपने छात्रों को मन लगाकर पढ़ाते। उनकी उत्तम पढ़ाई के कारण पाठशाला में लड़कों की संख्या बढ़ गई थी। पाठशाला के लड़के भी उन पर जान देते थे।
(ग) ठाकुर साहब पंडित जी के साथ जिस डिब्बे में घुसे, उसमें चार यात्री थे। इनके साथ ठाकुर साहब ने कभी-न-कभी नाइंसाफ़ी की थी। इनमें से एक यात्री ने ठाकुर साहब से कहा, आप नीचे क्यों नहीं बैठ जाते। यह थाना थोड़े ही है कि आपके राज में फ़र्क पड़ जाएगा। दो यात्रियों ने ठाकुर साहब का सामान उठाकर ज़मीन पर फेंक दिया। जब ठाकुर साहब गाड़ी से उतरने लगे, तो उन्होंने उनको ऐसा धक्का दिया कि वे प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े।

4. (क) पंडित चंद्रधर पड़ोस में हेड कांस्टेबल अतिबल सिंह और सियाहेनवीस मुंशी बैजनाथ रहते थे। इन दोनों का वेतन पंडित जी से अधिक नहीं था, लेकिन ऊपरी आय थी। पंडित जी उनके ठाठ-बाट देखकर कुढ़ते। कभी-कभी वे पंडित जी से कुछ कह भी देते पर पंडित जी मन मारकर रह जाते, क्योंकि उन दोनों की कृपा से ही पंडित जी के घर कभी आटा, दूध, दही, सब्ज़ी आ जाता था।
(ख) पंडित जी अपने अध्यापक की नौकरी के कारण पछताया करते। उनके दोनों पड़ोसियों की मासिक आय उनसे अधिक नहीं थी। लेकिन ऊपरी आय के कारण उन दोनों के पास नौकर-चाकर थे। पंडित जी उनके ठाठ-बाट देखकर कुढ़ते और अपने भाग्य को कोसते। लेकिन अयोध्या यात्रा में हेड कांस्टेबल और सियाहेनवीस को अपने कर्मों के कारण दुर्दशा का सामना करना पड़ा। वहीं पंडित चक्रधर के शिष्य कृपाशंकर के कारण सबको अयोध्या में रहने, खाने-पीने, घूमने का मुफ़्त अवसर मिला। कृपाशंकर हाथ बाँधे सेवक की तरह दौड़ता था। इससे पंडित चक्रधर को शिक्षक पद की महानता ज्ञात हुई।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) मुफ़्त– निःशुल्क (ख) ज़हर– विष
(ग) अफ़सर– अधिकारी (घ) फ़ीस– शुल्क
(ङ) सब्ज़ी– तरकारी (च) साफ़– स्वच्छ

2. (क) तत्सम– प्रार्थना, पाठशाला, प्रतीक्षा।
(ख) तद्भव– दूध, दही, घर।
(ग) देशज– डंडा, लालटेन, चारपाइयाँ।

3. (क) पेड़ों से हमें फल-फूल मिलते हैं, छाया मिलती

है। बारिश में यही पेड़ हमारे लिए छाता बन जाते हैं। थके होने पर पेड़ के नीचे आराम करने से हमारी सारी थकान दूर हो जाती है।

(ख) पक्षियों के घर पेड़ों पर बने होते हैं।

(ग) आदमी को पेड़ इतना अच्छा लगा कि उसने सोचा, पेड़ तो जगह-जगह होने चाहिए।

(घ) बारिश– वर्षा, कोशिश– प्रयत्न

7. ग्लोबल वार्मिंग

मौखिक

1. (क) पिछली सदी में पृथ्वी के औसत तापमान में आधा डिग्री सेल्सियस प्रति सौ वर्ष की दर से वृद्धि हुई।

(ख) धरती के तापमान बढ़ने का कम-से-कम 420 भौतिक प्रक्रियाओं पर बुरा असर पड़ा है।

(ग) धरती पर बढ़ता तापमान पूरी दुनिया में जबरदस्त कहर ढा रहा है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) धरती का गरमाना (ख) 1988 में

(ग) पूर्वी साइबेरिया में

2. (क) भारत का औसत तापमान 0.57 डिग्री सेल्सियस प्रति सौ वर्ष की दर से ऊपर उठ रहा है।

(ख) अनियमित मौसम और बढ़ती गर्मी के कारण पहाड़ों पर जमी बर्फ़ तेज़ी से पिघल रही है।

3. (क) भौतिक सुख-सुविधा के साधनों को जुटाने के लिए ऊर्जा के स्रोतों का अत्यधिक प्रयोग हो रहा है। इससे वायुमंडल में कार्बन डाइ-ऑक्साइड, जलवाष्प, नाइट्रस ऑक्साइड आदि की मात्रा इतनी बढ़ चुकी है कि यह धरती पर आने वाली सूर्य की गरमी को बाहर नहीं जाने देती। इसे ही वैज्ञानिक हरित गृह प्रभाव (Green House Effect) कहते हैं।

(ख) ग्लेशियर पिघलने से पृथ्वी की जलवायु को गंभीर खतरा पहुँच सकता है, क्योंकि पृथ्वी पर मौसमी चक्र बनाए रखने में सागरों और ग्लेशियरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ग्लेशियर पिघटने से पहले तो नदियों में बाढ़ आएगी, तदुपरांत ये नदियाँ हमेशा के लिए सूख जाएँगी। इसका कृषि के साथ ही नदियों के तट पर बसे नगरों के जन-जीवन और व्यवसाय पर गहरा असर पड़ेगा।

(ग) पेरिस जलवायु समझौते का उद्देश्य वैश्विक तापमान में वृद्धि दर को 2 प्रतिशत से नीचे लाकर 1.5 डिग्री की वृद्धि तक सीमित करने का है।

4. (क) जल स्तर, (ख) वैश्विक, (ग) तापमान, (घ) सिकुड़ता

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) अधिकतम (ख) निकटतम

(ग) महान

2. (क) पहुँच (ख) चिंता (ग) आँकड़ा

(घ) स्वयं (ङ) तदुपरांत (च) पाँच

8. ऐसे थे आशुतोष

मौखिक

1. (क) रेलवे कर्मचारी ने आशुतोष मुखर्जी से कहा– ''गाड़ी प्लेटफॉर्म पर लग चुकी है साहब।''

(ख) आशुतोष मुखर्जी शिक्षा शास्त्री, समाज सेवक होने के साथ ही एक प्रखर देशभक्त भी थे।

(ग) आशुतोष मुखर्जी ने चप्पलें उतारकर सीट के नीचे सरकाई।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) प्रथम श्रेणी

(ख) एक अंग्रेज़

(ग) जैसे को तैसा

2. (क) डिब्बे में आशुतोष मुखर्जी का सहयात्री मगरूर स्वभाव का था।

(ख) आशुतोष मुखर्जी के सोने पर रात में अंग्रेज़ ने उनकी चप्पलों को उठाकर खिड़की से बाहर फेंक दिया।

(ग) सुबह उठने पर अंग्रेज़ ने लेटे ही लेटे खिड़की से बाहर झाँका। उसकी नज़रें सुबह के सौंदर्य में अटक गई।

3. (क) आशुतोष मुखर्जी ने अंग्रेज़ का कोट खूँटी से उतारकर चलती गाड़ी से बाहर फेंक दिया। इस प्रकार उन्होंने अंग्रेज़ द्वारा अपनी चप्पल बाहर फेंके जाने का बदला ले लिया।

(ख) डिब्बे में आते ही अंग्रेज़ ने आशुतोष मुखर्जी को देखकर नाक-भौंक चढ़ाई। आशुतोष समझ गए कि यह एक बददिमाग अंग्रेज़ है। इससे कोई वास्ता न रखा जाए। यही विचार कर वे

सिर घुमाकर बाहर की चहल-पहल देखने लगे।

(ग) अंग्रेज़ एक भारतीय से अपेक्षा रखता था कि वह उठकर उसकी आवभगत करे।

(घ) अपना कोट खूँटी पर न पाकर अंग्रेज़ ने सोचा, लगता है इस हिंदुस्तानी ने मेरा कोट चुरा लिया, देसी लोग कुछ भी कर सकते हैं।

4. [5] आशुतोष की प्रसन्नता का ठिकाना न था।
[4] अंग्रेज़ स्तंभित रह गया।
[3] अंग्रेज़ ने हिकारत से आशुतोष को घूरा।
[2] प्लेटफ़ार्म पर चहल-पहल थी।
[1] जल्दी ही नगर पीछे छूट गया।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) शक्तिशाली (ख) प्राकृतिक
(ग) सहयात्री (घ) अलौकिक
(ङ) आत्मविभोर

2. (क) पुरुषवाचक (मध्यम पुरुष) सर्वनाम
(ख) पुरुषवाचक (अन्य पुरुष) सर्वनाम
(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(घ) निजवाचक सर्वनाम
(ङ) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(च) संबंधवाचक सर्वनाम

3. (क) अनैतिक (ख) असामान्य
(ग) अस्वच्छ (घ) अशिष्ट
(ङ) असंभव (च) असहज
(छ) अपूर्ण (ज) अविश्वास

4. (क) आशुतोष इस प्राकृतिक दृश्य में खो गए।
(ख) आशुतोष से नज़र मिलते ही उसने नाक-भौं चढ़ाई।
(ग) उन्होंने सीट पर ब्रीफकेस रख दिया।
(घ) अंग्रेज़ ने उसे एक सिक्का दिया।
(ङ) सूर्योदय के कुछ घंटे बाद अंग्रेज़ की नींद खुली।

5. (क) नाक-भौं सिकोड़ना–
गुस्सा दिखाना, नाराज़ होना, घृणा प्रकट करना
(ख) आँखों से ओझल होना–
गायब हो जाना, दृष्टि से दूर रहना
(ग) आग-बबूला होना–
अत्यधिक क्रोध करना, बहुत क्रोधित होना
(घ) प्रसन्नता का ठिकाना न रहना–
खुशी की सीमा नहीं होना

9. भिक्षुक

मौखिक

1. (क) भिखारी को अपनी भूख मिटाने के लिए मुट्ठी भर अनाज चाहिए।
(ख) भिखारी के साथ दो बच्चे सदा हाथ फैलाये चलते हैं।
(ग) भूख के कारण होंठ सूख जाते हैं।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) पछताता (ख) भिक्षुक के लिए
(ग) दो बच्चे

2. (क) अन्न ग्रहण करने के लिए भिखारी के पास मुँह फटी पुरानी झोली है।
(ख) भिखारी के बच्चे बाएँ हाथ से पेट को मलते हुए चलते हैं।
(ग) भिखारी के पेट-पीठ दोनों मिलकर एक हो गए हैं, इसलिए वह लकुटिया के सहारे चल रहा है।

3. (क) भिक्षुकों को प्राय: लोग हिकारत भरी नज़रों से देखते हैं। भीख नहीं देने वाले लोग भी उन्हें दुत्कारते हैं। जूठा खाना खाने के लिए उन्हें सड़क के कुत्तों से संघर्ष करना पड़ता है। कुल मिलाकर एक भिक्षुक का जीवन दयनीय होता है।

(ख) सड़क के किनारे रहने वाले आवारा कुत्ते, कूड़े के रूप में फेंके गए भोज्य पदार्थ या सड़क के किनारे, फुटपाथ पर फेंके गए भोजन पर अपना अधिकार समझते हैं। लेकिन भिक्षुक को जूठा भोजन खाते देख वे उसे अपना प्रतिद्वंद्वी समझ अड़ जाते हैं।

(ग) कविता में वर्णित भिक्षुक की दशा अत्यंत दयनीय है। भिक्षुक को नियमित रूप से और पर्याप्त भिक्षा नहीं मिलती। यही कारण है कि भोजन के अभाव में उसके पेट और पीठ दोनों मिलकर एक हो गए हैं। कृशकाय शरीर के कारण उसमें चलने की ताकत नहीं है। उसे लकुटिया के सहारे चलना पड़ता है। भिक्षुक के साथ दो बच्चे भी हैं। भूख के कारण सदा वे बाएँ हाथ से पेट मलते हुए चलते हैं। जब भिक्षुक को भिक्षा नहीं मिलती, तो वह भूख से व्याकुल होकर सड़क के किनारे फेंकी गई जूठी पत्तलों को भी चाटने से गुरेज नहीं करता।

लेकिन यहाँ कुत्ते प्रतिद्वंद्वी बनकर उससे जूठी पत्तल झपट लेना चाहते हैं।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1.

	शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	झोली	झोला	ई
(ख)	जूठी	जूठा	ई
(ग)	भूखा	भूख	आ
(घ)	दयावान	दया	वान
(ङ)	मददगार	मदद	गार
(च)	नौकरानी	नौकर	आनी

2. (क) पछताता– प् + अ + छ् + अ + त् + आ + त् + आ
   (ख) भिखारी– भ् + इ + ख् + आ + र् + ई
   (ग) दाहिना– द् + आ + ह् + इ + न् + आ
   (घ) झोली– झ् + ओ + ल् + ई
   (ङ) पत्तल– प् + अ + त् + त् + अ + ल् + अ

3. (क) दो– दोपहर, दोराहा
   (ख) पेट– भरपेट, पेटू
   (ग) मुँह– मुँहजोर, मुँहासा
   (घ) एक– एकदंत, एकबारगी

4. (क) कवि युद्धविहीन विश्व का सपना नहीं टूटने देना चाहते।
   (ख) कवि के इस कथन का तात्पर्य यह है कि आतंकवादी संगठन छोटे-छोटे बच्चों को ज़िहाद और मौत का सौदागर के रूप में तैयार करते हैं। यही बच्चे ए.के.47 लेकर सड़क पर आते-जाते निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार देते हैं। इसका एक दूसरा अर्थ यह हो सकता है कि पाकिस्तान जैसे कुछ देश आतंक की खेती करते हैं। आतंकवादियों को संरक्षण और पाल-पोसकर बड़ा करते हैं।
   (ग) कवि ने अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, पाकिस्तान जैसे देशों को कफ़न बेचने वाले देश कहा है।
   (घ) फ़सल, ज़िंदगी

10. सदाचार का तावीज़

मौखिक

1. (क) इस पाठ में भ्रष्टाचार के फैलने का हल्ला मचता है।
   (ख) भ्रष्टाचार के सिंहासन में होने से राजा उछलकर दूर खड़ा हो गया।
   (ग) दरबारी साधु को इसलिए लाए, क्योंकि साधु ने सदाचार का ताबीज़ बनाया, जिसे हाथ में बाँधने से आदमी एकदम सदाचारी हो जाता है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) भ्रष्टाचार (ख) तावीज़ (ग) राजा की

2. (क) राजा ने दरबारियों को आदेश दिया– सारे राज्य में ढूँढ़कर देखो कि कहीं भ्रष्टाचार तो नहीं है। अगर कहीं मिल जाए, तो हमारे देखने के लिए नमूना लेते आना।
   (ख) राजा ने खुश होकर कहा, मुझे नहीं मालूम था कि हमारे राज्य में ऐसे चमत्कारी साधु भी हैं।
   (ग) साधु ने तावीज़ के बारे में बताया कि जिस आदमी की भुजा पर यह बँधा होगा, वह सदाचारी हो जाएगा।

3. (क) भ्रष्टाचार हाथ की पकड़ में नहीं आता। वह स्थूल नहीं, सूक्ष्म है। पर वह सर्वत्र व्याप्त है। उसे देखा नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है।
   (ख) भ्रष्टाचार सिंहासन में है। पिछले माह इस सिंहासन पर रंग करने के जिस बिल का भुगतान किया गया है, वह बिल झूठा है। वह वास्तव में दुगने दाम का है। आधा पैसा बीच वाले खा गए। आपके पूरे शासन में भ्रष्टाचार है और वह मुख्यत: घूस के रूप में है। विशेषज्ञों की इस बात को सुनकर राजा चिंतित हो गए।
   (ग) राजा ने कार्यालय में जाकर पहली बार एक कर्मचारी को कई काम बताकर घूस के रूप में पाँच रुपये देने चाहे। उस कर्मचारी ने राजा को डाँटते हुए कहा कि यहाँ घूस लेना पाप है। इस प्रकार राजा ने देखा कि तावीज़ ने कर्मचारी को ईमानदार बना दिया है।

4. (क) भ्रष्टाचार खुलेआम नहीं होता, दबे-छिपे तौर पर होता है। विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार को व्याख्यायित करते हुए राजा से कहा कि भ्रष्टाचार स्थूल नहीं सूक्ष्म है। पर वह सर्वत्र व्याप्त है। इस पर राजा ने कहा कि ये गुण तो ईश्वर के हैं। इसी के प्रयुत्तर में विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार को ईश्वर बताया।
   (ख) भ्रष्टाचार किसी व्यक्ति या वस्तु का नाम नहीं है। उसका कोई आकार-प्रकार नहीं है। वह शासन में ऊपर से लेकर नीचे तक सर्वत्र व्याप्त है। वह मोटा नहीं बारीक है। उसे छुआ या देखा

नहीं जा सकता, लेकिन सर्वत्र अनुभव किया जा सकता है।

(ग) विधाता जब मनुष्य को बनाता है, तब किसी की आत्मा में ईमान की कल फ़िट कर देता है और किसी की आत्मा में बेईमानी की। इस कल से ईमान या बेईमानी के स्वर निकलते हैं, जिन्हें 'आत्मा की पुकार' कहते हैं। आत्मा की पुकार के अनुसार व्यक्ति काम करता है।

5. किसनेकिससे

(क) दरबारियों ने राजा से
(ख) राजा ने दरबारियों से
(ग) एक कर्मचारी ने राजा से

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. सर्वनाम भेद

(क) क्या प्रश्नवाचक सर्वनाम
(ख) वह निश्चयवाचक सर्वनाम
(ग) मैं पुरुषवाचक सर्वनाम
(घ) कोई अनिश्चयवाचक सर्वनाम

2. (क) (v), (ख) (iii), (ग) (iv), (घ) (ii), (ङ) (i)

3. (क) के लिए (ख) की
(ग) ने, से (घ) से
(ङ) में

4. (क) गुण– धनुष की डोरी, हुनर, कौशल
(ख) तप– ताप, तपस्या, ग्रीष्म ऋतु
(ग) कल– मशीन, आराम, आने वाला कल
(घ) काम– कार्य, पेशा, धंधा

11. कलम और बंदूक

मौखिक

1. (क) बहस कलम और बंदूक के बीच हुई।
(ख) कलम ने अपना रूप छोटा बताया है।
(ग) जहाँ गुण होते हैं, वहीं सच्ची शक्ति होती है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) हाहाकार (ख) कलम को (ग) बंदूक के

2. (क) मुझसे लिखना सीखकर ही लोग ज्ञानी बनते हैं। ज्ञान न होता, तो मनुष्य पशु के समान होता। रामायण, महाभारत, वेद, कुरान, बाइबिल, गुरुग्रंथ साहिब जैसे महान ग्रंथ, सब मेरा ही तो करिश्मा है।

(ख) पाठ में 'अहंकार की पुतली' बंदूक को कहा गया है।

(ग) महाराणा प्रताप अकबर के आगे कभी नहीं झुके।

3. (क) बंदूक ने अपनी मारक ताकत पर गर्व करते हुए 'सब जगह मेरा बोलबाला है' कहा। बंदूक के अनुसार सीमा पर लड़ने वाले सैनिकों के हाथों में मेरी ही ताकत होती है। मेरे बल पर ही राज्य चलाए जाते हैं। मेरी ताकत से ही राज्य जीते जाते हैं। संसार में सारे छोटे-बड़े युद्धों में मेरा ही बोलबाला रहा है।

(ख) कलम ने युद्ध से होने वाली हानि के बारे में बंदूक से कहा, तूने युद्ध में लाखों निर्दोष लोगों का खून बहाया है, लाखों माताओं की गोद के लाल छीने हैं, लाखों अबलाओं की माँग का सिंदूर पोंछा है।

(ग) महाराणा प्रताप का उदाहरण देकर कलम ने साबित करना चाहा कि कलम सबसे ताकतवर है। महाराणा प्रताप हल्दी घाटी के युद्ध में अकबर से पराजित होने के पश्चात निराश थे। वे मुगल अकबर से संधि करने पर विचार कर रहे थे। तभी उनके एक मित्र कवि पृथ्वीराज का पत्र राणा को मिला। इस पत्र को पढ़ने के बाद उनकी निराशा दूर हुई और उन्होंने निश्चय किया कि वे अकबर के सम्मुख नहीं झुकेंगे। यह कलम की ताकत से ही संभव हुआ।

4. (क) परिणाम, (ख) न्यायालय, (ग) अनुचित
(घ) ताकत, (ङ) न्यायालय

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) मानवता– मानव + ता
(ख) अत्याचारी– अत्याचार + ई
(ग) बुद्धिमान– बुद्धि + मान
(घ) उन्नति– उन्नत + इ
(ङ) मूर्खता– मूर्ख + ता

2. (क) उपेक्षा– निरादर, तिरस्कार
(ख) अपेक्षा– आशा
(ग) परिमाण– नाप, तौल आदि से प्राप्त होने वाला फल
(घ) परिणाम– फल, नतीजा

(ङ) सम्मान– आदर
(च) समान– बराबर
(छ) जवान– युवा, वीर
(ज) जबान– जीभ, वाणी, बोली

3. (क) क्क– पक्का, मक्का, चक्का
(ख) च्च– कच्चा, सच्चा, बच्चा
(ग) ज्ज– छज्जा, छज्जेदार, पिज़्ज़ा
(घ) ट्ट– लट्टू, मिट्टी, सट्टा
(ङ) क्य– क्यों, आधिक्य, क्यारी
(च) ट्ठ– मिट्ठू, चिट्ठी, पिट्ठू
(छ) द्य– विद्यालय, विद्योपार्जन, विद्यार्थी

4. (क) शेखी बघारना– बड़ाई करना– अपनी शेखी बघारने के अलावा उसे कोई दूसरा काम नहीं है।
(ख) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना– अपनी प्रशंसा स्वयं करना– पाकिस्तान के तमाम मंत्री अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनते फिरते हैं।
(ग) आटे-दाल का भाव पता चलना– कठोर स्थिति का अनुभव होना– दारा सिंह से भिड़ने वाले पहलवान को एक मिनट में आटे-दाल का भाव पता चल जाता था।
(घ) होश उड़ जाना– बहुत डर जाना– अचानक सामने शेर को देखते ही विजय के होश उड़ गए।
(ङ) मुर्दों में जान फूँक देना– नवजीवन लाना, मुर्दों में प्राण संचार करना– योग्य चिकित्सक अपनी चिकित्सा से मुर्दों में जान फूँक देने का माद्दा रखते हैं।

12. हिंद महासागर में बसा छोटा-सा हिंदुस्तान

मौखिक

1. (क) मॉरीशस द्वीप हिंद महासागर में स्थित है।
(ख) लेखक नैरोबी के नेशनल पार्क में घूमने गए।
(ग) मॉरीशस की अधिकांश जनसंख्या भारत के मूल निवासी हैं।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) पोर्ट लुई (ख) क्रेयोल
(ग) रामचरितमानस का

2. (क) मॉरीशस की गलियों के नाम भारतीय शहरों– कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता), मद्रास, हैदराबाद और बंबई (मुंबई) पर आधारित हैं।
(ख) मॉरीशस में ईख की खेती भारतीय वंश के लोगों के कारण सफल रही है।
(ग) सिंह सूर्यास्त के बाद शिकार किया करते हैं। सिंह झुंड का शिकार नहीं करते, बल्कि उस जानवर का करते हैं जो भागते हुए झुंड से बिछुड़ जाता है।

3. (क) मॉरीशस हिंद महासागर की गोद में बसा एक छोटा-सा हिंदुस्तान है। मॉरीशस के प्रत्येक प्रमुख ग्राम में शिवालय होता है। गाँव में हिंदू तुलसीकृत रामचरितमानस का पाठ करते हैं अथवा ढोलक और झाँझ पर उसका गायन करते हैं। इस रूप में भारतीय संस्कृति मॉरीशस में फल-फूल रही है।
(ख) मॉरीशस का परी तालाब हिंदुओं की ऐकांतिक भक्ति के कारण वहाँ का प्रमुख धार्मिक स्थान बन गया है। शिवरात्रि के समय सारे मॉरीशस के हिंदू श्वेत वस्त्र धारण करके कंधों पर काँवर लिए पंक्तिबद्ध परी तालाब पर आते हैं और यहाँ से जल लेकर अपने-अपने गाँव के शिवालय को लौट जाते हैं तथा शिवजी को जल चढ़ाकर अपने घरों में प्रवेश करते हैं।
(ग) भारतीय मूल के लोगों को मॉरीशस ले जाने वाले मालिकों की इच्छा थी कि सभी भारतीय क्रिस्तान हो जाएँ किंतु भारतीयों ने अत्याचार तो सहे, लेकिन प्रलोभनों को ठुकरा दिया। वे अपने धर्म पर डटे रहे और जिस द्वीप में परिस्थितियों ने उन्हें भेज दिया था, उस द्वीप को उन्होंने छोटा-सा हिंदुस्तान बना डाला। यह ऐसी सफलता की बात है, जिस पर सभी भारतीय को गर्व होना चाहिए।

4. (क) नैरोबी के नेशनल पार्क में लेखक भ्रमण के लिए गए। वहाँ सिंहों के एक झुंड को घेरकर आठ-दस मोटरें खड़ी थीं। अपने-आप में मस्त सिंहों ने मोटर में शीशे चढ़ाकर बैठे लोगों की ओर देखा तक नहीं। मानो जंगल के राजा की दृष्टि में तुच्छ मानव दृष्टि डालने योग्य बिलकुल नहीं हैं।
(ख) भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति है। भारत में बैठकर हम भारतीय संस्कृति की महानता को नहीं समझ पाते। मॉरीशस जाने पर भारतीय संस्कृति की प्राणवत्ता का ज्ञान सहजतापूर्वक हो जाता है। मॉरीशस के 67 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस का पाठ यहाँ प्रतिदिन होता है। प्रत्येक

प्रमुख ग्राम में शिवालय है। परी तालाब यहाँ का प्रमुख धार्मिक स्थल और शिवरात्रि प्रमुख त्योहार है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि क्रिस्तान बनने के प्रलोभन को ठुकराकर भारत के लोगों ने मॉरीशस में भारतीय संस्कृति को जीवंत रूप दे दिया।

5. (क)(v), (ख)(iv), (ग)(i), (घ)(ii), (ङ)(iii)

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1.

	शब्द		मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	व्यावसायिक	–	व्यवसाय	इक
(ख)	पवित्रता	–	पवित्र	ता
(ग)	शिकारी	–	शिकार	ई
(घ)	सफलता	–	सफल	ता
(ङ)	भारतीय	–	भारत	ईय

2. (क) सिंह– वनराज, शेर
(ख) भारत– आर्यावर्त, हिंदुस्तान
(ग) हिरन– मृग, सारंग
(घ) जंगल– वन, अरण्य
(ङ) समुद्र– सागर, सिंधु

3. (क) सोए (ख) दिखाई (ग) दौड़ना
(घ) आते (ङ) उड़ा

13. नीति के दोहे

मौखिक

1. (क) निरंतर अभ्यास करने से मूर्ख भी विद्वान बन जाता है।
(ख) 'आज करै सो अब' का अर्थ है– जो काम आज किया जाना है, उसे अभी करना चाहिए।
(ग) प्रयत्न के बिना विद्या धन की प्राप्ति नहीं होती।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) आज (ख) त्याग / तिरस्कार
(ग) खजूर पेड़ से

2. (क) कवि का कहना है कि अधिक बोलना उचित नहीं है, उसी प्रकार कुछ नहीं बोलना यानी चुप रहने की अधिकता भी अच्छी नहीं है।
(ख) विद्या धन परिश्रम या प्रयत्न से ही प्राप्त किया जा सकता है।

3. (क) सबके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करना चाहिए और हिल-मिलकर रहना चाहिए, क्योंकि ना जाने किस रूप में नारायण (भगवान) मिल जाएँ।
(ख) कवि की दृष्टि में छोटे और बड़े सबका समान महत्व है। छोटे के महत्व को वर्णित करते हुए कवि का कहना है कि जहाँ सुई का काम है, वहाँ तलवार का क्या काम।
(ग) कवि रहीम का मानना है कि गरीब का हित करने वाले लोग बड़े या महान लोग होते हैं।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा– कृष्ण, सुदामा, नारायण, रहीम
जातिवाचक संज्ञा– सुई, रसरी, सिल, पंथी

2. आना, निशान पड़ना, करना, फल लगाना, बोलना, चुप रहना, बरसना, धूप निकलना, परिश्रम करना, पाना, डुलाना, मिलना, जाना, देखना, छोड़ना, भलाई करना।

3. (क) जड़– मूल, निर्जीव
(ख) कर– हाथ, टैक्स
(ग) पल– पलक, समय का बहुत ही छोटा भाग
(घ) दीन– दरिद्र, धर्म / मज़हब

4. (क) हर संध्या को हिमालय की छाया लंबी होती है।
(ख) हिमालय का पद-तल छूने वाले लोग वेदों की गाथा गाते हैं।
(ग) पर्वतराज हिमालय के साथ भारतीयों का उसी तरह अटल, अडिग, अविचल अपने स्थान पर खड़े रहने का नाता है।
(घ) पर्वतराज हिमालय

14. ताना-रीरी

मौखिक

1. (क) अकबर मुगल वंश का शासक था।
(ख) तानसेन दरबार में राग ध्रुपद गा रहे थे।
(ग) ताना और रीरी सगी बहनें थी।

❖ प्रश्न 2, 3 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) दीपक राग (ख) संगीताचार्य
(ग) संगीत सम्राट

2. (क) इस समय तानसेन से बढ़कर गाने वाला दूसरा कोई गवैया इस संसार में नहीं है। आज हम इसे संगीत सम्राट की पदवी इनायत करते हैं।
(ख) हुजूर का नमक खाता हूँ, इनकार तो नहीं कर सकता। हाँ, अर्ज़ कर सकता हूँ कि दीपक राग

की जगह कोई दूसरा राग सुन लीजिए।

(ग) बादशाह अकबर के दीपक राग गाने की ज़िद पर अड़ने के कारण तानसेन को राग दीपक गाना पड़ा।

3. (क) मुँह लगे गवैये ने बादशाह अकबर से कहा, हुज़ूर आप बिलकुल बजा फ़रमाते हैं। लेकिन हम गाने वाले तो उन्हें संगीत सम्राट तभी मानेंगे, जब वे दीपक राग गाकर दीये जला देंगे। आप उनसे दीपक राग गाने की फ़रमाइश कीजिए।

(ख) दीपक राग का गायन समाप्त होते ही तानसेन पानी-पानी करते हुए बेहोश होकर गिर पड़े। उनका तन-बदन झुलस गया। शरीर में फफोले हो गए।

(ग) दीपक राग के गायन का कुप्रभाव वैद्य, हकीम के इलाज से ठीक नहीं होता। मेघ-मल्हार राग सिद्ध गायक ही दीपक राग के कुप्रभाव को ठीक कर सकता है। गुजरात के संगीताचार्य पर्वत मेहता और उनकी पुत्रियों ताना - रीरी के मेघ-मल्हार गायन से तानसेन ठीक हुए।

4.

	किसने	किससे
(क)	अकबर ने	दरबारियों से
(ख)	अकबर ने	तानसेन से
(ग)	ताना-रीरी ने	अपने पिता से
(घ)	तानसेन ने	अकबर से

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) जैसे ही गाना समाप्त हुआ सब दरबारी 'वाह! वाह!' कह उठे।

(ख) हमारा दरबारी गायक बख्शू मेघ-मल्हार गाएगा ।

(ग) बरसते पानी में नहाकर तानसेन का तन निर्मल और मन प्रफुल्लित हो गया।

(घ) बादशाह तानसेन को लेकर ठाठ-बाट के साथ गुजरात पहुँचे।

2. (क) बादशाह– सम्राट, राजा

(ख) इनायत– कृपा, छत्रछाया

(ग) हुज़ूर– हाकिम का दरबार, श्रीमान

(घ) तंदुरुस्त– स्वस्थ, आरोग्य

(ङ) हरगिज़– कदापि, कभी

(च) जहाँपनाह– विश्व की रक्षा करने वाला, बादशाह

3. (क) पर– उपरांत, दूसरे का

(ख) राग– विशिष्ट गान प्रकार, अनुराग

(ग) कल– आराम, मशीन, चैन

(घ) पास– स्वीकृत किया गया, निकट

(ङ) जन– लोग, सर्वसाधारण

4. (क) क्योंकि राजनैतिक दल प्रायः अव्यवस्थित हैं, अमर्यादित हैं और अधिकांशतः निष्ठा और कर्मठता से संपन्न नहीं हैं। हमारी राजनीति का स्तर प्रत्येक दृष्टि से गिरता जा रहा है। लगता है उसमें सुयोग्य और सच्चरित्र लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है।

(ख) लोकनिष्ठा, लोक मंगल की भावना, लोकानुभूति और लोकसंपर्क लोकतंत्र के आधारभूत तत्व हैं।

(ग) आज हमारे लोकतंत्र को स्वार्थांधता का घुन लग गया है। क्या राजनीतिज्ञ, क्या अफ़सर, अधिकांश यही सोचते हैं कि वे किस तरह से स्थिति का लाभ उठाएँ? किस तरह एक-दूसरे का इस्तेमाल करें? आम आदमी अपने-आपको लाचार पाता है और ऐसी स्थिति में उसकी लोकतांत्रिक आस्था डगमगाने लगती है।

(घ) लोकतंत्र की सफलता के लिए हमें समर्थ और सक्षम नेतृत्व चाहिए और एक नई दृष्टि, एक नई प्रेरणा, एक नई संवेदना, एक नया आत्मविश्वास, एक नया संकल्प और समर्पण आवश्यक है।

15. स्वामी विवेकानंद का एक पत्र

मौखिक

1. (क) यह पत्र स्वामी विवेकानंद ने लिखा था।

(ख) यह पत्र 9 जुलाई, 1897 को अल्मोड़ा से लिखा गया था।

(ग) पत्र में बरहमपुर के काम को स्वामी विवेकानंद ने अच्छा बताया है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) कलकत्ता (कोलकाता में)

(ख) काम की

(ग) सारा संसार

2. (क) विवेकानंद जी ने पत्र में कर्म की महत्ता को समझाया है।

(ख) दूसरों की भलाई और सेवा करना एक महान सार्वलौकिक धर्म है।

(ग) कुछ लड़कों को द्वार-द्वार जाने के लिए संगठित करो और उन्हें जो मिले, वह लाने दो– धन, पुराने वस्त्र, चावल, खाद्य पदार्थ या और जो कुछ भी मिले। फिर उसे बाँट दो। यही सच्चा कार्य है।

3. (क) स्वामी विवेकानंद पूजा का खर्च घटाना चाहते थे। क्योंकि दुर्भिक्ष के कारण प्रभु की संतानें भूख से मर रही थी। स्वामी जी का कहना था कि केवल जल और तुलसी-पत्र से पूजा कर भोग के निमित्त धन को उस जीवित प्रभु के भोजन में खर्च करो, जो दरिद्रों में वास करता है। तभी प्रभु की सब पर कृपा होगी।

(ख) स्मारक, भवन और इस प्रकार के अन्य कार्यों का विचार व्यर्थ है। जो अगणित दरिद्र कलकत्ता की मैली-कुचैली गलियों में रहते हैं उनकी सहायता में बचा सारा धन लगाना चाहिए।

(ग) पाठ में कर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। पत्र लेखन के समय कलकत्ता (बंगाल) में भीषण दुर्भिक्ष का समय था। स्वामी विवेकानंद अपने शिष्यों से भोग, स्मारक, भवन के स्थान पर दरिद्र लोगों की सहायता किए जाने को ही वास्तविक कर्म मानते थे। वे भोग के निमित्त धन को उस जीवित प्रभु के भोजन में खर्च करना चाहते थे, जो दरिद्रों में वास करता है। उनके अनुसार केवल व्याख्यान काम के बिना अनुपयोगी है।

4. [2] किंतु दूसरों की भलाई और सेवा करना एक महान सार्वलौकिक धर्म है।
[4] मैं स्वयं वहाँ आकर पत्रिका आरंभ करूँगा।
[5] प्रभु की संतानें भूख से मर रही हैं।
[1] बरहमपुर में जैसा काम हो रहा है, वह बहुत ही अच्छा है।
[3] वास्तव में यही सच्चा कार्य है।

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) में, (ख) ने, (ग) के लिए,
(घ) से, (ङ)का

2. (क) निर्धन (ख) सहानुभूति
(ग) स्वास्थ्य (घ) सर्वश्रेष्ठ
(ङ) अस्तित्व (च) व्याख्यान

3. (क) कठोर बात शायद उनकी ज़ुबान से कभी नहीं निकलती।
(ख) प्रेम और सहानुभूति से सारा संसार खरीदा जा सकता है।
(ग) भारत के देव मेरा भरण-पोषण करते हैं।
(घ) सत्य की खोज करने के लिए उन्होंने सभी तरह के कष्ट प्रसन्नता से सहे।

16. जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी

मौखिक

1. (क) लेखक के घर आर्य मित्र, साप्ताहिक, वेदोदय, सरस्वती, गृहिणी और दो बाल पत्रिकाएँ– बालसखा और चमचम आती थीं।
(ख) लेखक के पिता आर्य समाज, रानी मंडी के प्रधान थे।
(ग) लेखक के पाँचवीं कक्षा में प्रथम आने पर माँ ने आँखों में आँसू भरकर गले लगा लिया। पिता मुसकुराते रहे। अंग्रेज़ी में सर्वाधिक नंबर लाने के कारण उन्हें स्कूल से इनाम में अंग्रेज़ी की दो किताबें मिली।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 के उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) स्वामी दयानंद सरस्वती की
(ख) शरतचंद्र चट्टोपाध्याय
(ग) प्रयाग को

2. (क) लेखक के पिता ने महात्मा गांधी के आह्वान पर सरकारी नौकरी छोड़ दी।
(ख) पुस्तकालय में कोई उपन्यास अधूरा छूट जाने पर लेखक के मन में कसक होती कि काश इतने पैसे होते कि सदस्य बनकर किताब इश्यू करा लाता या इस किताब को खरीद पाता तो घर में रखता।
(ग) लेखक की प्रारंभिक शिक्षा घर पर हुई क्योंकि पिता नहीं चाहते थे कि नासमझ उम्र में गलत संगति में पड़कर गाली-गलौच सीखें, गलत संस्कार ग्रहण करे।

3. (क) लेखक की माँ स्कूली पढ़ाई पर जोर देती। चिंतित रहती कि लड़का कक्षा की किताबें नहीं पढ़ता। पास कैसे होगा? कहीं खुद साधु बनकर घर से भाग गया तो?
(ख) तीसरी कक्षा में एक दिन लेखक के पिता उनकी उँगली पकड़कर उन्हें घुमाने ले गए। लोकनाथ की दुकान से ताज़ा अनार का शरबत मिट्टी के कुल्हड़ में पिलाया और समझाते हुए कहा, वायदा करो कि पाठ्यक्रम की किताबें भी इतने ही ध्यान से पढ़ोगे, माँ की चिंता मिटाओगे।
(ग) हरिभवन लाइब्रेरी में लेखक ने बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना दुर्गेशनंदिनी, कपाल-कुंडला और आनंदमठ; टॉलस्टॉय की अन्ना करेनिना; विक्टर ह्यू की पेरिस का कुबड़ा; मैक्सिम गोर्की की मदर और सबसे मनोरंजक सर्वारीज

का विचित्र वीर (अर्थात् डॉन क्विक्जोट) पढ़ी।

4.

	किसने	किससे
(क)	पिता ने	लेखक से
(ख)	पिता ने	लेखक से
(ग)	माँ ने	लेखक से
(घ)	पुस्तक विक्रेता ने	लेखक से

मूल्यपरक प्रश्न

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) माता– माता की ममता निराली होती है।
   (ख) राजा– राजा विक्रमादित्य का न्याय बहुत प्रसिद्ध था।
   (ग) राजकुमारी– राजकुमारी फूलकुमारी न हँसती थी, न रोती थी।
   (घ) भगवती– माता भगवती की कृपा सदा कठेला ग्रामवासियों पर रही है।
   (ङ) लड़की– वह छोटी-सी लड़की पढ़ने में बहुत तेज़ है।
   (च) साध्वी– साध्वी प्रज्ञा ठाकुर अब संसद सदस्य बन चुकी है।
2. (क) पुस्तक– स्त्रीलिंग
   (ख) आंदोलन– पुल्लिंग
   (ग) दिल– पुल्लिंग
   (घ) दुकान– स्त्रीलिंग
   (ङ) कुल्हड़– पुल्लिंग
3. (क) साप्ताहिक (ख) पुस्तकालय
   (ग) निर्धन (घ) बाल-पत्रिकाएँ
4. (क) पास (ख) धीरे-धीरे
   (ग) सहसा (घ) दिन-रात
5. (क) अंडमान में हिंदी, बांग्ला, तेलुगू, मलयालम, अंग्रेज़ी, निकोबारी एवं उर्दू के माध्यम से शिक्षा दी जाती है।
   (ख) जिन विद्यालयों में हिंदी के माध्यम से शिक्षा नहीं दी जाती, वहाँ भी आधी छुट्टी के समय विभिन्न भाषा-भाषी बच्चे हिंदी में ही बात करते हैं। यद्यपि हिंदी प्रदेशों के मूलवासियों की संख्या कम है, फिर भी इन द्वीप समूहों में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का ही प्रयोग किया जाता है। यहाँ के लोग हिंदी बहुत शीघ्र सीख जाते हैं। इस प्रकार भाषा के मामले में ये द्वीप समूह निश्चय ही सारे देश को मार्ग दर्शन देते हैं।
   (ग) ब्रिटिश सरकार अपने साम्राज्य के लिए खतरा बने क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों को काला पानी की सज़ा देती थी। स्वतंत्रता से पूर्व काला पानी भारतीयों को आतंकित और त्रस्त करता था। आज काला पानी पर्यटकों का तीर्थ स्थल बन गया है।
   (घ) आज़ादी से पूर्व कालापानी भारतीयों को आतंकित एवं त्रस्त करता था। स्वतंत्रता के पश्चात कालापानी लालसा एवं उत्सुकता का पर्याय बन गया। प्रकृति की सुषमा से युक्त विकासशील अंडमान-निकोबार हर भारतवासी को चकित और विमुग्ध करता है। यही कारण है कि आज हर भारतवासी स्वेच्छा से कालापानी जाने के लिए तत्पर है।